रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गजट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215, 9415074806, 9415486103

वर्ष – 45 • अंक – 12 • कानपुर 16 से 30 जून 2023 • प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी • वार्षिक मूल्य ₹ 100

मान्यता की अभिलाषा है तो विकास भी कीजिये

- ✓ बातों की नहीं अब कार्य की है मांग
- ✓ विकास को वास्तविक रुप दें
- ✓ कार्य से ही विकास सम्भव
- ✓ बोर्ड ने बनाई विकास की रणनीति
- ✓ इहमाई द्वारा अभिकरणों से सम्पर्क

इलेक्ट्रो होम्योपैथी बनी रहे इसलिए आवश्यक है कि इस स्थापित चिकित्सा पद्धति का वास्तविक विकास किया जाये और विकास का स्वरूप कुछ इस तरह का हो जिसका लाभ आमजन भी उठा सकें तभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विकसित किया जा सकता है।

वर्तमान समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी में जो कुछ भी चल रहा है वह कुछ सामान्य सा नहीं है विकास के नाम पर बड़ी बड़ी बातें की जाती हैं बड़े बड़े दावे किये जाते हैं लेकिन जब यर्थाथ के धरातल पर परीक्षण होता है तो जो परिणाम आते हैं वह हमें चकित कर देते हैं केवल प्रदेश की बात न करके यदि हम सम्पूर्ण भारत पर एक दृष्टि डालें तो एक बात एकदम स्पष्ट रूप से दिखायी देती है कि विकास का जो बहाव वास्तविक होना चाहिये वह नहीं हो रहा है यह हम सब के लिये सोचने का विषय है इन्हीं सब बिन्दुओं पर चिन्तन करने के बाद बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने यह निणर्य लिया कि शीर्घ ही ऐसा कोई नीतिगत निर्णय लिया जाये जिसपर कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी का वास्तविक विकास हो सके।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी को यदि समाज में प्रभावी ढग से स्थापित करना है तो यह आवश्यक है कि इस चिकित्सा पद्धति का लाभ कुछ व्यक्तियों तक न रहकर सर्वसमाज को मिले, कहने को तो कहा जाता है कि जितने भी असाध्य रोग हैं उनपर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का ज़बरदस्त प्रभाव है जैसाकि पढ़ा और पढ़ाया जाता है उसके अनुसार यह चिकित्सा पद्धति सामान्य से लेकर असाध्य एवं गम्भीर रोगों पर अधिक प्रभावी है परन्तु जिन लोगों द्वारा इस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाया जाता है उनकी संख्या बहुत सीमित है किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास के लिए यह अति आवश्यक होता है कि उस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाने वाले लोगों की संख्या अधिकाधिक हो।

हमें याद करना चाहिये कि आज से 35–40 साल पहले जब होम्योपैथी का इतना प्रसार नहीं हुआ था तब जगह जगह पर इस चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक रोगियों को स्वतः औषधियों को सेवन करने के लिए प्रेरित करते थे चूंकि मामला जीवन से जुड़ा होता है इसलिए कोई भी व्यक्ति आसानी से किसी भी औषधि को स्वीकार नहीं करता है तब उसे यह बताया जाता था कि यह औषधियां यदि लाभ नहीं करेंगी तो हानि भी नहीं करेंगी, आज युग बदल चुका है हर क्षेत्र में ज़बरदस्त परिवर्तन हो चुका है, चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए हैं ऐसे में यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समान रूप से स्थापित करना है तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बहुत कार्य होना चाहिये हमारे पास जो लाखों की संख्या है उन्हें अपने दायित्वों को पहचानना होगा और दायित्वों का पालन करते हुये एक नई कार्य संस्कृति को जन्म देना होगा, यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी में विकास की बात करें तो इससे हम इन्कार नहीं कर सकते हैं कि चिकित्सा पद्धति का विकास नहीं हुआ है, लेकिन जो संतुलित और समन्वित विकास होना चाहिये वह नहीं हो पा रहा है, यदि हम इसके कारणों पर जायें तो कारण अनेक दृष्टिगोचर होंगे परन्तु यदि हम पूर्ववर्ती कारणों को लेकर ही बातें करते रहे तो विकास दूर–दूर तक नहीं हो पायेगा।

यह कटु सत्य है कि 2003 से 2012 तक का काल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये बहुत कठिन रहा है परन्तु जिस सूझ–बूझ से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के उद्धारकों ने इस चिकित्सा पद्धति को कार्य करने का एक अवसर दिलाया है तो हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम इस प्राप्त अवसर का भरपूर लाभ उठायें, जो बीत गया उस पर ही चर्चा करने से अच्छा है कि आगे की सोचें, वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का युग है, प्रतिस्पर्धा में वही टिकता है जिसके पास बौद्धिक सम्पदा का भण्डारण हो।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बौद्धिक सम्पदा की कोई कमी नहीं है परन्तु इस सम्पदा का अभी भी पूर्ण रुप से प्रयोग नहीं हो पा रहा है। कुछ चिकित्सक अपने चिकित्सा व्यवसाय में शुद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति व्यवहार में ला रहे हैं उन्हें आशातीत सफलता प्राप्त हो रही है एवं परिणाम भी अच्छे मिल रहे हैं, इन प्राप्त परिणामों से चिकित्सकों में उत्साह का भाव जागृत हुआ है।

पहले की तुलना में अब औषधियों की कमी नहीं है लगभग हर शहर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की औषधियां उपलब्ध हैं, हमारे कुछ औषधि निर्माताओं ने अपने उत्पादन प्रस्तुत कर चिकित्सकों को और भी अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया है, मूल औषधियों के साथ–साथ पेटेन्ट औषधियों का प्रयोग चिकित्सक रोगी पर करता है और परिणाम भी अच्छे प्राप्त कर रहा है मगर इस प्रकार के कार्य करने वाले चिकित्सकों की संख्या का प्रतिशत हमें बढ़ाना है, जब चिकित्सा पद्धति के प्रभाव का सामान्य जन स्वंय अनुभव करेगा तो इस चिकित्सा पद्धति के विकास में ज़्यादा समय नहीं लगेगा।

एक क्षेत्र ऐसा है जिसपर कार्य होना है और वह क्षेत्र है हमारी सुव्यवस्थित शिक्षण व्यवस्था का, समय के परिवर्तन को देखते हुये बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने कड़े कदम उठाते हुये अपने हर इन्सटीट्यूट को निर्देश दिया है कि अध्यापन पर अधिकाधिक ध्यान दिया जाये एवं छात्र की उपस्थिति भी अधिकतम हो।

दूसरे वर्ष से ही छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान उपलब्ध कराया जाये इसी के साथ–साथ बोर्ड ने यह भी योजना बनाई है कि विद्यालयों में जो अध्यापक अध्यापन कर रहे हैं उन्हें रिफ्रेशर कोर्स कराया जाये जिससे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में हो रही नवीन जानकारियों से वे अपडेट रहें ताकि वे छात्रों को नवीन शोधों एवं जानकारियों से अवगत करा सकें।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से चिकित्सा व्यवसाय करने वाले चिकित्सकों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुयी है यह किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास के शुभ संकेत हैं, एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है और यह चिकित्सक भी अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विधा से चिकित्सा करने का मन बना चुके हैं, हम आश्वस्त हैं कि धीरे–धीरे यह श्रंखला बहुत बड़ी और मज़बूत होगी तब इलेक्ट्रो होम्योपैथी किसी भी चुनौती को आसानी से स्वीकार कर लेगी।

अपना रास्ता स्वयं बनायें

सोचकर मन में तरह–तरह की शंकायें जन्म लेने लगती हैं और भय भी लगने लगता है, शंकाओं का जन्म लेना और भय का लगना इलेक्ट्रो होम्योपैथी में स्वभाविक सी बात है क्योंकि जबसे हमने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन में कदम रखा है तबसे तरह–तरह के तूफ़ानों का सामना करना पड़ा है। यह अलग बात है कि अभीतक कोई भी ऐसा तूफ़ान नहीं आया जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समाप्त करने में सक्षम रहा हो ! हाँ तकलीफ़ें ज़रुर दी हैं, नये–नये विवादों को जन्म दिया है परन्तु यह हम ही थे जिन्होंने हर बार गिरकर उठना सीखा है, परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों हमें परिस्थितियों की दिशा मोड़ना आता है लेकिन दिशायें मोड़ते–मोड़ते दिशाहीन होने का भय भी सताता रहता है, क्योकि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के आन्दोलन को सफ़ल बनाने के लिये एक निश्चित दिशा का होना बहुत ही आवश्यक है आज के परिदृष्य में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में ज़बरदस्त कार्य की आवश्यकता है क्योंकि यही एक मात्र ऐसा रास्ता बचा है जिसपर चलते हुये इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित किया जा सकता है कुछ लोग काम करने के विषय पर तर्क देते हैं कि कार्य कैसे किया जाये ?ऐसे लोगों के लिये समझने के लिये यह एक आसान तरीका है कि किसी भी चिकित्सा पद्धति की उपयोगिता ही उसकी सार्थकता को सिद्ध करती है हम लोग बात–बात पर एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति का उदाहरण देते हैं कि यह पद्धति कितनी कारगर है इसके डाक्टर कितने सम्पन्न होते हैं हर ओर मान सम्मान मिलता है यह सारी बातें कहने व सुनने में तो बहुत अच्छी लगती हैं परन्तु हकीकत में हम केवल सिक्के का एक ही पहलू देखते हैं और वह है सिक्के की चमक, हमको यहाँ पर यह भी सोचना चाहिये कि इस चमक को पाने के लिये कितना प्रयास और कष्ट झेला गया होगा !

जिस समय एलोपैथी स्थापित होने का प्रयास कर रही थी उस समय पूरे देश में आयुर्वेद का बोल–बाला था वैद्यों का सर्वत्र सम्मान था लेकिन एलोपैथ के समर्थकों ने इस कदर मेहनत की आयुर्वेद को ही किनारे कर दिया, ठीक इसी प्रकार हम सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथों को चाहिये कि हम सब भी मिलकर कोई ऐसा कार्य करें जिससे कि किसी पद्धति को तो हमें किनारे नहीं करना है लेकिन हम अपनी सार्थकता तो सिद्ध कर ही दें। हमारे सारे आन्दोलन और सारी गतिविधियां तभी सार्थक होंगी जब हमारा कार्य सर चढ़कर बोलेगा, सम्मान तो व्यक्ति का नहीं अपितु उसके द्वारा किये गये कार्यों का होता है। अस्तु हम सबका यह नैतिक दायित्व है कि हम सब मिलकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिये सार्थक सामूहिक ऐसे कार्य करें जिससे कि शीघ्र से शीघ्र इलेक्ट्रो होम्योपैथी के स्थापित होने का मार्ग प्रश्स्त हो सके।

रास्ते तो कभी बन्द नहीं होते ! हाँ ढूँढने वाला चाहिये !! एक कहावत भी है कि जहाँ चाह वहीं राह, हमें जल के प्रवाह से सीख लेनी चाहिये, जल के प्रवाह को कोई रोक नहीं सकता अगर एक मार्ग अवरुद्ध किया जाता है तो दूसरी राह जल स्वयं ही बना लेता है। ठीक इसी प्रकार से हमारे पास भी कार्य करने के अनेकों अवसर हैं बस ज़रुरत इस बात की है कि सही समय पर उन अवसरों को हम प्रयोग में ला सकें, शान्ति से बैठना, निराश होकर बैठना, या जो मिल गया उतना ही ठीक है या फिर क्या फायदा काम करने से आगे तो कुछ हो नहीं सकता इस प्रकार के निरर्थक विचारों को मन से त्याग कर एक नये उत्साह के साथ कार्य में लगना होगा। कहते हैं समय चलायमान है और वह चलता रहेगा, समय चक्र को देखिये, समय इस तरह बदला कि एक समय में जहां ऐलोपैथी ने आयुर्वेद को किनारे लगा दिया था वही आयुर्वेद आज आयुष समूह के रुप में देश में विकसित हुयी और शीघ्र ही वही आयुर्वेद विश्व पटल पर स्थापित होने का प्रयास निरन्तर कर रही है। इसी प्रकार से यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथ अपने कार्य में लग जायें और कार्य पर ही अपनी दृष्टि गड़ा दें तो निसंदेह हम सफलता के जिस शिखर पर जाना चाहते हैं उस शिखर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी की पताका अवश्य गाड़ सकते हैं।

बड़े उद्देश्य की प्राप्ति के लिये प्रयास भी सघन और बड़े करने पड़ते हैं , कार्य में शिथिलता नहीं जोश के दर्शन हों।

अपने सपनों को साकार करने के लिये दें नये पंख

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सपनों से बहुत बड़ा सम्बन्ध है सपनों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी शुरू होती है और जब तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी में जुड़े रहते हैं तब तक स्वप्नलोक में विचरण करते रहते हैं। हर माता पिता यह चाहता है कि उसका बालक या बालिका समाज में सम्मानजनक अपना स्थान बनाये समान्यतयः हर माता पिता का यह स्वप्न है कि उसका बच्चा डाक्टर या इंजीनियर बने इसके लिए वह प्रयास भी करता है, सफल हो जाये तो अच्छी बात है।

भारत वर्ष में यह आम बात है कि जो एलोपैथी का चिकित्सक बने वही डाक्टर है बाकी सब वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक हैं अन्य देशों की बात अलग है जहाँ बालक या बालिका अपनी क्षमता व इच्छानुसार अपने जीवन यापन के व्यवसाय का चयन करता है और उसी में सफ़ल होकर श्रेष्ठता का प्रर्दशन करता है परन्तु भारतवर्ष में अभी भी अभिभावक की मर्ज़ी से ही व्यवसाय का चयन होता है। बालक या बालिका में प्रतिस्पर्धा पार करने की क्षमता हो या न हो पर अभिभावक यही चाहता है कि उसका बच्चा उसकी इच्छा का सम्मान करे और जो वह चाहता है उसी क्षेत्र में जाये।

जब नीट की परीक्षा पास नहीं कर पाता तब माता पिता अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपने बच्चे का प्रवेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी में करा देते हैं और यहीं से शुरू होती है सपनों की रंगीन दुनियाँ, माता पिता सपना देखते हैं कि उसका बच्चा चिकित्सक बन जायेगा और जो सपना पूरा करने वाला है बालक या बालिका वह अपने भविष्य के रंगीन सपने देखने लगता है कि तीन या चार वर्ष के बाद वह डाक्टर बनकर निकलेगा समाज में सम्मान अर्जित करेगा, प्रवेश लेते ही उसके सपनों में पंख लग जाते हैं वह स्वर्णिम भविष्य की अच्छी कल्पनाओं में खो जाता है, वह मन ही मन इतना प्रसन्न होता है कि अब वह अपनी सारी इच्छायें पूरी कर लेगा, आवश्यकताओं की वस्तुओं के साथ–साथ सुविधा भोगी वस्तुयें भी अपने लिए अर्जित कर लेगा, लेकिन धीरे– धीरे जैसे–जैसे समय बीतता है तब वह मान्यता के सपनों में खो जाता है। यह तो अच्छी बात है कि कुछ लोग यह स्पष्ट बता देते हैं कि अभी इस पद्धति को मान्यता नहीं है, कुछ ऐसे भी होते हैं जो पता नहीं क्या–क्या कह देते हैं ! और इसी क्या–क्या की उधेड़बुन में नव प्रवेशी जो पुराना हो चुका होता है काफी कुछ सपने देख चुका होता है आन्दोलन की राह पर चलता है रोज़ नई कल्पनायें बनती बिगड़ती हैं और इसी कल्पना लोक में विचरण करते हुए वह अपना कोर्स तक पूरा कर लेता है, अब उसके सामने दायित्व होता है कि वह अपने भविष्य का निर्माण कैसे करे ? इसी भविष्य के निर्माण के लिए वह सबकुछ कर देता है जो उसे नहीं करना चाहिये चिकित्सकीय चकाचौंध में फंसकर बहुत कुछ जल्दी जल्दी पाने की अपेक्षा में उसका रूझान एलोपैथी की तरफ़ हो जाता है, उसके इस रूझान से उसका तो भला हो जाता है परन्तु इलेक्ट्रो होम्योपैथी का भला नहीं हो पाता। इलेक्ट्रो होम्योपैथी के भले के लिए आवश्यकता है कि अधिक से अधिक संख्या में हमारे चिकित्सक अपनी ही विधा से चिकित्सा व्यवसाय करें और रोगियों को स्वस्थ्यता प्रदान करें इससे चिकित्सक को आत्म संतुष्टि का अनुभव होता है और वह अपनी पूरी क्षमता से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का समर्थक भी हो जाता है किसी एक चिकित्सक की प्रगति को देखकर उसके साथियों को भी यह प्रेरणा मिलती है कि वह भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के शुद्ध चिकित्सक बने। अपनी–अपनी विधा को अपनाकर भी सपने पूरे किये जा सकते हैं यह आवश्यक नही है कि सपनों को पूरा करने के लिए हम दूसरों के कन्धों का सहारा लें क्योंकि इस सत्य को हमें कभी नहीं भूलना चाहिये कि दूसरा कन्धा कितना भी मज़बूत क्यों न हो लेकिन वह जीवन भर का सहारा नहीं होता है।

आज के परिदृश्य में जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति बड़ी तेज़ी के साथ प्रगति के मार्ग पर है, जिस शासकीय संरक्षण की हम वर्षों से बाँट जोह रहे हैं, धीरे–धीरे हमारी इंतेज़ार करने की सीमा समाप्त होने जा रही है केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा जो सकारात्मक रुख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए दिखाया जा रहा है वह हमारी आशाओं को बल प्रदान करने वाला है।

यह निर्विवाद सत्य है कि आगे बढ़ने के लिए कुछ सपने देखे जाते हैं और उन सपनों को पूरा करने के लिए कुछ लक्ष्य भी निर्धारित किये जाते हैं और इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए व्यक्ति निरन्तर प्रयास करता है कुछ भाग्यशाली व्यक्ति होते हैं जो प्रथम प्रयास में ही लक्ष्य भेद लेते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें लक्ष्य पाने के लिए बार–बार प्रयास करने पड़ते हैं और यदि आदमी प्रयास करे तो सफलता प्राप्त होती ही है जब सफलता नहीं मिलती है तो हमें अवसर भी मिलता है कि हम अपनी विफलता का विश्लेषण करें और जो कमियां प्राप्त हों उन्हें दूर करने का प्रयास करें बहुत सम्भव है कि इस मार्ग में चलते हुए हमारे सपनों को कुछ देर के लिए ठहरना भी पड़े लेकिन यह ठहराव ज़्यादा लम्बा नहीं होता है यदि हमें अपने सपनों को पूरा करना है तो निश्चित रूप से हमें भी भावनात्मक रूप से, मानसिक रूप से मज़बूत व परिपक्व भी होना पड़ेगा।

समय की गति निरन्तर आगे बढ़ रही है, समय जितना व्यतीत होता जायेगा परिस्पर्धा उतनी ही कठिन होती जायेगी क्योंकि जो प्रचलित चिकित्सा पद्धतियां हैं वहां काम भी हो रहा है, शोध भी हो रहे हैं, सरकारी सहयोग व समर्थन भी मिल रहा है, उनके कार्यों का मूल्यांकन भी हो रहा है परन्तु हम इलेक्ट्रो होम्योपैथों को इन सारी व्यवस्थाओं को पार करना है काम भी बहुत करना है शोध के रास्ते ढूंढने हैं, सरकारी सहयोग व समर्थन तो मिल रहा है लेकिन हम उसका उपयोग भी नहीं कर पा रहे हैं और जो कार्य हो रहा है उसका वास्तविक मूल्यांकन नहीं हो रहा है परिणामतः हमारे कार्यों में सुधार नहीं हो पा रहा है एक ही ढर्रे पर चलते रहने का समय कब का गुज़र चुका है नित्य नये हो रहे प्रयोगों के मध्य यदि हमें अपनी उपस्थिति रखनी है तो समान्तर तो नहीं परन्तु लगभग कार्य तो करने ही होंगे, साधनों का अभाव नहीं है हमारे इलेक्ट्रो होम्योपैथी में प्रतिभाओं की कमी नहीं है सिर्फ आवश्यकता है मनोबल के बढ़ाने की, मात्र सपने देखने से काम नहीं चलता सपनों को पूरा करने के लिए अवसर भी हमें ही तलाशने हैं और इन अवसरों का सही उपयोग करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थिति को मज़बूत करना है जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मज़बूत होने की बात होती है तो हमारे साथी ही कहने लगते हैं कि क्यों सपने दिखा रहे हो ! जबकि तथ्य यह है कि जो सपना देखता है वही आगे बढ़ता है, अपने आस पास मात्र सपनों के जाल बिछाने से काम नहीं चलता काम चलाने के लिए काम करना पड़ता है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता या नियमितीकरण दोनों ही स्थिति में सरकार आपके कार्यों को देखेगी और कार्य भी ऐसे हों जिनका कोई प्रतिकूल प्रभाव न हो, सेफ होना दवाओं की गुणवत्ता दर्शाती है और यही गुणवत्ता हमारी प्रमाणिकता है जब रोगी हमारी दवाओं से ठीक होंगे और रोग मुक्त होंगे तो रोगी स्वयं मुक्तकंठ से आपकी और आपकी पद्धति की प्रशंसा करेंगे प्रशंसा के लिए हर वह उपाय हमें करने है जो हमारे बस में है सरकार की नीतियों में बदलाव तो सरकार लाती है।

हमारे बस में इतना है कि हम अपने कार्य से सरकार को इतना प्रभावित कर दें कि सरकार हमारी योग्यता और प्रतिभा को देखकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को अपनी स्वास्थ नीति में समाहित करने के लिए विवश हो जाये कहने में तो यह स्वप्न जैसी बात लगती है लेकिन अपने सपनों को धरातल पर यर्थाथ व मूर्तरूप हम और हमारे साथी ही देते हैं।

तो क्यों न हम काम करते हुए हर सपने को पूरा करें।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की सेमेस्टर परिक्षायें 20 जून, 2023 से प्रारम्भ होंगी कार्यक्रम निम्न प्रकार है

BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE,U.P.

8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, Lucknow-226001 E-mail registrarbehmup@gmail.com

PROGRAMME FOR EXAMINATION JUNE 2023

Name of the course	20 th June, 2023 Tuesday	21 st June, 2023 Wednesday	22 nd June, 2023 Thursday
F.M.E.H. 1st. Semester	Anatomy & Physiology	Pharmacy &Philosophy	XX
F.M.E.H. 2nd. Semester	Pathology	Hygiene & Health	Environmental Science
F.M.E.H. 3rd. Semester	Ophthalmology including E.N.T.	M.Jurisprudence & Toxicology	Dietetics
F.M.E.H. Final Semester	Obstetrics & Gynecology	Materia Medica	Practice of Medicine

Timing ⟶ 8:00 A.M. to 11:00 A.M.

Ateeq Ahmad
Examination Incharge

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8— लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001

प्रशा0 कार्यालय : 127/204 "एस" जूही, कानपुर—208014

website- www.behm.org.in Email: registrarbehmup@gmail.com

प्रवेश सूचना

F.M.E.H. दो वर्ष (चार सेमेस्टर) – इण्टरमीडियेट अथवा समकक्ष

C.E.H. एक वर्षीय – हाई स्कूल अथवा समकक्ष

A.C.E.H. एक सेमेस्टर – किसी भी चिकित्सा पद्धति में न्यूनतम दो वर्ष का पाठ्क्रम उत्तीर्ण (इलेक्ट्रो होम्योपैथी 30 अप्रैल, 2004 से पूर्व/पैरा मेडिकल /किसी राजकीय चिकित्सा परिषद द्वारा पंजीकृत/ सूचीकृत चिकित्सक)

G.E.H.S. चार वर्ष+(1 वर्ष इन्टर्नशिप) – 10+2 जीव विज्ञान अथवा समकक्ष

P.G.E.H. दो वर्ष – G.E.H.S अथवा चिकित्सा स्नातक

विस्तृत जानकारी हेतु बोर्ड की अधिकृत संस्थाओं से सम्पर्क करें अथवा **www.behm.org.in पर log in** करें।

Registrar

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8– लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

प्रशा0 कार्यालय : 127/204 "एस" जूही, कानपुर–208014

website- www.behm.org.in Email: registrarbehmup@gmail.com

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा स्वीकृत एवं सम्बद्ध संस्थानों की सूची

LIST OF AUTHORISED INSTITUTIONS

Code	Name of Institute	Address	District	Name of Principal	Name of Manager	Mobile No.
01	Ashish Electro Homoeopathic Medical Insitute	Chajlapur, Po: I.T.I.,Door Bhash Nagar	RAIBARELI	Dr. P. N. Kushwaha	Dr. P. N. Kushwaha	9935318306
03	Awadh Electro Homoeopathic Medical Insitute	Shri Om Sai Dham,Indrpuri Colony,Sitapur Road	LUCKNOW	Dr. R. K. Kapoor	Smt. Sunita Kapoor	8299165010
05	Bhagwan MahaveerElectro Homoeopathic Insitute	Pan Dareeba	JAUNPUR	Dr. Pramod Kr. Maurya	Smt. Sushila Maurya	9451162709
06	Maa sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Insitute	2537, Mishrana	LAKHIMPUR	Dr. R. K. Sharma	Dr. R. K. Sharma	8115545675
11	Chandpar Electro Homoeopathic Medical Insitute	Anjan Shaheed	AZAMGARH	Dr. Mushtaq Ahmad	Dr. Iftekhar Ahmad	9415358163
13	Azad Electro Homoeopathic Medical Insitute	Kintoor	BARABANKI	Dr. Habib-ur Rahman	Dr. Habib-ur Rahman	8052791197
15	Electro Homoeopathic Medical Insitute	Mahmanshah, Near Charkhamba	SHAHJAHANPUR	Dr. Ammar-Bin-Sabir	Dr. S.A. Siddique	9336034277
16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Insitute	Khas Bhadi, Shahganj	JAUNPUR	Dr. S. N. Rai	Dr. Rajendra Prasad	9450088327
17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	Siddhatth Children Campus, Arya Nagar	SIDDHARTH NAGAR	Dr. Ved Prakash Srivastav	Dr. V.P. Srivastav	9415669294

LIST OF AUTHORISED STUDY CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
52	Dr. Pradeep Kumar Srivastava	8/366 Tube Well Colony	DEORIA	9415826491	
53	Dr. Bhoop Raj Shrivastava	120-Basheerganj	BAHRAICH	9451786214	
55	Dr. Ayaz Ahmad	Near Old Gramin Bank, Qazi Tola, Walidpur	MAU	9305963908	
56	Dr. Gaya Prasad	Aarti Electro Homoeopathic Study Centre, Barkhera	JALAUN	8874429538	
57	Dr. N. Bhushan Nigam	B.K.E.H. Study Centre, Patkana	HAMIRPUR	9889426312	
59	Dr. Mohammad Israr Khan	Araw Road, Sirsaganj	FIROZABAD	9634503421	
60	Dr. Mohd. Akhlak Khan	128- Katra Purdal Khan	ETAWAH	7417775346	
61	Dr. Shiv Kumar Pal	Prem Nagar, Dak Banglow Bye Pass Road	FIROZABAD	9027342885	
62	Dr. Prince Srivastav	Hameed Nagar Ward No-3, Nautanwa	MAHARAJGANJ	7398941680	mpsr31@gmail.com
63	Dr. Ram Autar Kushwaha	Kushwaha Electro Homoeopathic Clinic & Study centre	KANPUR	9793261649	

विस्तृत जानकारी हेतु

9415074806 , 9450153215 , 7081624593 ,

73175 90784 , 94154 86103

पर सम्पर्क करें

अथवा www.behm.org.in पर log in करें।

Registrar

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।